खदान

24 फ़रवरी 2018

,,,, : ,,- - — , — ,, — , — , ,- —

इसके पीछे एक गहरा वृद्धि-मूर्तपिूजन है।

- — , ,- - ,- — — : -, ,-,-,- - — « » -

- - ;«» - « » : ? ? ,-,-, : « »

- 1993 300 - —- — ,

हम जसि स्थान पर हैं उसे अर्तवनि सोचें। और खदान-क्षेत्र को तकसीम सोचें। पूरा मामला यही है।

, -:-- — ,,,, — - ,25 :-, - , ,- — , ,-,/, , ,

3 ,–, —

, , -, : (-),-, ( ) « » ,, — , -

« » — - //- — :9 , - -; , ,

- - — — ,- , —

शायद आपके लिए हत्यारे का एक भी नाम स्मरण न रखना सरल हो। देखिए। कुछ नहीं है!

— ,- , , , 7-8 - 301 ;-

— (), - , ; - : « , , — ?» - — 30-40 - — -

— — - - - ;-- - : « »

-- «» —

रंग-संशोधन पारस्थितिकिीय प्रक्रियाओं को उघाड़ने के लिए जानबूझकर है। प्रत्येक खदान का नाम है, डेटा पर्यावरण-न्याय एटलस से लिया गया है। उत्पादन-प्रक्रिया स्वयं पागल काम है — सामग्रीयता खनन के पागलपन का प्रतबिबि है।

: -: 2015 - - — - -,-- — , -

— , «» «»

-- —, , — ,-, - — - - , ,,,, — -

- - : , -

नर्तक भी अंधेरे वातावरण में अपने भीतर के रत्न को निकालने के लिए काम करती है। खनिक भी ज़मीन के नीचे काम करता है। अपरिचित रत्न तक पहुँचने के लिए।

: , , « » ; «»

- - : « - ?» , , - - -

-(2014) « » — -, - — 2016 , — : « » - —

, : - ,, — : , , - - ,- -

- — 150 , , /- — , , - , ; — ,-

- 16 - 200-300 — 20-25 -, ,

धूसर की छटाओं में काम करना सचेत चयन है। हरा केवल वहाँ दिखता है जहाँ खदान-वस्तार से बच निकले। अत्यधिक रंग विनाश को सौंदर्यबद्ध करता; एकवर्णता वास्तविक स्थितियों को प्रलेखित करते हुए विषाद को रेखांकित करती है।

: «, , » — , - - 40,000 ; 10 , 4-5 - 2-2.5 —

- , «» — -, - — - - , « , » — - : ,

«» - —, — , «» — ,

नवउदारवादी आधिपत्य ने एक तरह से हम सब में प्रवेश किया है, हमारे मस्तिष्क को थोड़ा कुतर रहा है — यह वह विषय है जिसे मैं देखता और महसूस करता हूँ।

301 — / - - - , - ;- — - ,

, , — 301 , — -- :- , , — - « » -

« » - , — , - : « » ,

- , — - ; - — - — - - - -

: ,, — - , — : 301 , ,

- ; ;--; -; - - - , , - — ,

-— : , , , , — -